मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 19 ■ मंगलवार 24 मार्च 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
आरके स्टूडियो रिन्यूअल की खबरें गलत

उल्हासनगर का 'मलबा घोटाला'

■ इमारतों को गिराने पक करोड़ों खर्च, लेकिन मलबा कहां गया?

■ नगरसेवकों ने सीधे प्रशासन से किया सवाल

उल्हासनगर. खतरनाक इमारतों को गिराने पर खर्च हुए करोड़ों रुपये का हिसाब गायब है और मलबा कहां गया, इसका कोई पता नहीं! जैसे ही यह चौंकाने वाला मामला उल्हासनगर मनपा की आम बैठक में उठा, हॉल में हलचल मच गई। 'मलबा घोटाला' चर्चा का केंद्र बन गया क्योंकि BJP नगरसेवक राजेश वानखेड़े ने सीधे प्रशासन पर गड़बड़ी का आरोप लगाया और जवाब मांगा। उल्हासनगर मनपा की हाल ही में हुई आम बैठक में खतरनाक इमारतों को गिराने के खर्च को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। BJP नगरसेवक राजेश वानखेड़े ने सीधा सवाल उठाया कि शहर में जर्जर और खतरनाक इमारतों को गिराने पर महानगर पालिका ने कितना पैसा खर्च किया और गिराने से निकले मलबे का मैनेजमेंट कैसे किया गया, जिससे प्रशासन के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई।

पिछले कुछ सालों में उल्हासनगर में बिल्डिंग गिरने की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे कई लोगों की मौत हुई है और कई परिवार बेघर हो गए हैं। इसी को देखते हुए, मनपा ने खतरनाक बिल्डिंगों को नोटिस जारी किए और कुछ बिल्डिंग खाली करवाईं, जबकि कुछ को सीधे गिरा दिया। हालांकि, वानखेड़े ने गंभीर आरोप लगाया कि पूरे प्रोसेस में ट्रांसपेरेंसी की कमी थी।

उन्होंने महासभा में साफ तौर पर कहा कि खतरनाक व जर्जर इमारतों को गिराने के बाद बड़ी मात्रा में मलबा निकला, लेकिन इसे कहां डंप किया गया, इसकी कोई साफ जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोसेस पर कितना खर्च हुआ, इसके बारे में प्रशासन के पास साफ आंकड़े नहीं हैं। इससे पूरे प्रोसेस में आर्थिक गड़बड़ियों का शक और मजबूत हो गया है।

जल्द ही विस्तृत जानकारी दी जाएगी

"इस बीच, इन आरोपों का जवाब देते हुए मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने साफ किया है कि मामले की विस्तृत और लिखित जानकारी जल्द ही हाउस के सामने पेश की जाएगी।
हालांकि, एडमिनिस्ट्रेशन का यह रुख ठीक नहीं है और इस कथित 'मलबा घोटाले' की पूरी जांच की मांग अब जोर पकड़ रही है। इस मामले ने एक बार फिर महानगर पालिका के कामों की पारदर्शिता पर सवालिया निशान लगा दिया है।

एकता नगर के पीड़ितों का 2 अप्रैल को नपा पर मोर्चा

■ ध्वस्त किए गए 31 घरों को अब तक नहीं मिला न्याय

अंबरनाथ. अंबरनाथ शिवमंदिर के पास एकता नगर के 31 घरों को महापालिका ने जेसीबी की सहायता से ध्वस्त कर दिया था. ये लोग यहां पर खुले में सो रहे हैं और अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं. इन 31 घरों के लोगों को अंबरनाथ नगर परिषद के मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने आश्वासन दिया था कि उनके साथ अन्याय नहीं होगा. एक अधिकारी की नियुक्ति करके जांच की जाएगी और न्याय दिया जाएगा. इस घरों पर 7 मार्च को कार्रवाई की गई थी. उसके बाद यहां के निवासियों ने अंबरनाथ नपा कार्यालय के समक्ष अनशन करके आंदोलन किया था. मुख्याधिकारी के आश्वासन के बाद उन्होंने अपना आंदोलन पीछे ले लिया था. सोमवार को पीड़ितों ने मुख्याधिकारी को एक निवेदन देकर पूछा है कि आज 15 दिन बीत जाने के बाद भी ना कोई अधिकारी नियुक्त किया गया है और ना ही उनके पुनर्वसन के बारे में सोचा गया है. इसलिए 2 अप्रैल गुरुवार को वह सभी मुख्याधिकारी के दालान के समक्ष आंदोलन करेंगे. यहां के झोपड़ावासियों ने ये भी आरोप लगाया है. उनके 31 घर तोड़े जाने के समय एवं तोड़ने के बाद भी अंबरनाथ के विधायक डॉ. बालाजी किणीकर उनका हालचाल देखने, उनकी परेशानी को हल करने के लिए नहीं आए हैं. चुनाव के समय वोट मांगने आते थे. हम सभी मतदाता हैं, लेकिन मुश्किल के समय में विधायक उन्हें अकेला छोड़कर कहां चले गए हैं. उनका पता ही नहीं चल रहा है. ऐसा आरोप पीड़ितों ने लगाया है.

विदित हो कि इन घरों पर उल्हासनगर महानगर पालिका द्वारा कार्रवाई की गई थी और अब अंबरनाथ नपा प्रशासन उनको वादा करके पीछे हट रहा है. इसलिए पीड़ितों में रोष देखा जा रहा है.

केडीएमसी मुख्यालय पर मोर्चा

कल्याण। तीन महीने से मेहनताना नहीं मिलने से नाराज कामगारों का गुस्सा सोमवार को सड़कों पर उतर आया। सफाई और वाहन विभाग में ठेके पर कार्यरत कर्मचारियों ने केडीएमसी मुख्यालय पर मोर्चा निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया और ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

यह मोर्चा श्रमजीवी कामगार रयत संगठन के नेतृत्व में निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में कामगार शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मनपा ने सफाई और वाहन संचालन का काम सुमित एल्को कंपनी को ठेके पर दिया है, लेकिन कंपनी पिछले तीन महीनों से कामगारों का वेतन नहीं दे रही है। ठेकेदार का कहना है कि मनपा से भुगतान नहीं मिलने के कारण मजदूरी रोकी गई है।

उल्हासनगर में युवक की निर्मम हत्या

■ उल्हासनगर-1 स्थित शिवनेरी इलाके की घटना

■ पत्थर मारकर युवक की हत्या

■ अज्ञात हत्यारे की तलाश में जुटी पुलिस

उल्हासनगर. उल्हासनगर 1 स्थित शिवनेरी नगर इलाके में आज सोमवार शाम करीब 5 बजे एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां एक युवक की पत्थर से कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी गई है। इस घटना से इलाके में तनाव का माहौल है।

मृतक युवक का नाम प्रवीण अशोक वर्मा है और शुरुआती जानकारी में पता चला है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके सिर पर पत्थर मारा है। घटना की जानकारी मिलते ही उल्हासनगर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने घटनास्थल का दौरा किया और संबंधित अधिकारियों को जांच के बारे में जरूरी निर्देश दिए। पुलिस पंचनामा और दूसरी कार्रवाई कर रही है और आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं। इस बीच, हत्या के पीछे का सही कारण अभी साफ नहीं है, लेकिन पुलिस यह पता लगाने के लिए अलग-अलग पहलुओं की जांच कर रही है कि यह कोई पुराना विवाद है या कोई और वजह। उल्हासनगर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

अंबरनाथ में बायोमेडिकल प्रोजेक्ट को नागरिकों का जोरदार विरोध

■ लोगों को गंभीर रोग होने का खतरा

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व में मुंबई शहर से लाया जा रहा बायोमेडिकल प्रोजेक्ट का शहरवासी और यहां के गांववासी खुलकर विरोध कर रहे हैं. मुंबई में लोगों ने विरोध किया इसलिए ये प्रकल्प अंबरनाथ में लाया जा रहा है. इस प्रकल्प के आने से बच्चों को दमे की बीमारी हो सकती है. कर्क रोग, त्वचा रोग, सांस की बीमारी, कैंसर जैसे गंभीर रोग हो सकते हैं. ऐसी आवाजें शहर से उठ रही हैं. ये सरकार जनता के साथ विश्वासघात करके उनके स्वास्थ्य की हत्या कर रही है. ऐसा शिवसेना उबाठा कल्याण उपजिला प्रमुख अनिल लक्ष्मण भोईर का कहना है.

सरकार ने तत्काल निर्णय नहीं बदला तो अंबरनाथ की जनता रास्ते पर उतरेगी. हमारी जिंदगी से ना खेला जाए. मुंबई का कचरा हमको नहीं चाहिए, ऐसा अनिल भोईर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है. उन्होंने कहा है कि मुंबई को बचाने के लिए अंबरनाथ की जनता के साथ क्यों खेला जा रहा है. हम अंबरनाथवासी इंसान हैं. कचरे का डिब्बा नहीं, ऐसा उनका कहना है.

मुंबई को बचाने के लिए अंबरनाथवासियों की बलि!

सोशल मीडिया पर सरकार से ये पूछा जा रहा है कि सरकार जनता को बचाएगी या कंपनी को. अंबरनाथ को क्या डंपिंग ग्राउंड समझ रखा है क्या? मुंबई के लिए अंबरनाथ को क्यों बलि का बकरा बनाया जा रहा है. जनप्रतिनिधियों से पूछा जा रहा है कि वह वोट लेने के लिए आगे-पीछे घूमते हैं, लेकिन आज वह इस बायो मेडिकल प्रोजेक्ट के खिलाफ जनता के हित में आवाज क्यों नहीं उठा रहे हैं?

धोखादायक सब्जी मंडी का होगा कायाकल्प- सुखरामानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा पैनल 6 के लालकाणा पंचायत के सामने धोकादायक सब्जी मंडी का दौरा महापौर अश्विनी निकम ने किया। उस समय पूर्व विधायक पप्पू कालानी, नगरसेवक महेश सुखरामानी, प्रकाश माखीजा, शहर अभियंता निलेश क्षीरसाठ ने परिसर का जायजा लिया और नए डीपी प्लॉन के अनुसार इस परिसर के विकास कार्य को करने को कहा। नगरसेवक महेश सुखरामानी ने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में स्वच्छता, सुविधा और व्यापारिक गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार होगा। जिससे स्थानीय नागरिकों को एक आधुनिक और व्यवस्थित बाजार का लाभ मिलेगा।

अंबरनाथ में बड़े बैनरों पर कार्रवाई शुरू

बड़े होर्डिंग्स पर कार्रवाई करो, दंड वसूल करो -राजेंद्र वालेकर

अंबरनाथ. अंबरनाथ में केबी रोड के आसपास के बैनल होर्डिंग्स पर सोमवार को अंबरनाथ नगर परिषद द्वारा कार्रवाई शुरू कर दी गई है, लेकिन ये कार्रवाई केवल दिखावा है. बड़े होर्डिंग्स पर अभी तक कार्रवाई नहीं की गई है और करोड़ों के विज्ञापन घोटाले में अभी तक नपा प्रशासन ने वसूली कार्रवाई शुरू नहीं की है. ऐसा आरोप पूर्व उप नगराध्यक्ष एवं नगरसेवक राजेंद्र वालेकर ने लगाया है. वहीं मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने कहा है कि कार्रवाई की शुरूआत की जा चुकी है. अनधिकृत होर्डिंग्स एक दिन में निकालना मुश्किल है. चरणबद्ध तरीके से ये कार्रवाई पूरी की जाएगी.

विदित हो कि वालेकर ने विज्ञापन घोटाले में आक्रामक तरीके से आवाज उठाते हुए कहा है कि शिकायत करने के बाद भी शहर के बड़े होर्डिंग्स हटाए नहीं जा रहे हैं. ये 4 से 5 करोड़ रुपयों का घोटाला है. कुछ बिल्डरों ने विज्ञापन की रकम भरे बिना ही बड़े होर्डिंग्स कई दिनों से लगा दिए हैं और प्रशासन चुप है. अगर बड़े होर्डिंग्स पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वह नपा कार्यालय में ही होर्डिंग्स लगा देंगे. ये अनोखा आंदोलन करने की तैयारी उन्होंने शुरू कर दी है. सोमवार को अंबरनाथ नपा प्रशासन ने केबी रोड पर अवैध रूप से लगाए गए कई बैनरों पर कार्रवाई की है. हद तो ये हो गई है कि नेताओं ने श्मशान भूमि को भी छोड़ा नहीं है.

शहर पश्चिम कैलाश नगर श्मशान भूमि के गेट पर शुभेच्छा का एक बड़ा बैनल आज भी लगा हुआ है. होर्डिंग्स, बैनर के मामले को राजेद्र वालेकर ने मजबूती से पकड़ कर रखा है. उन्होंने कहा है कि जब तक बड़े होर्डिंग्स पर कार्रवाई नहीं की जाती और संबंधित व्यक्तियों से जुर्माना वसूल नहीं किया जाता, वह चैन से नहीं बैठेंगे.

अंबरनाथ में 'धधक' रहा डम्पिंग ग्राउंड

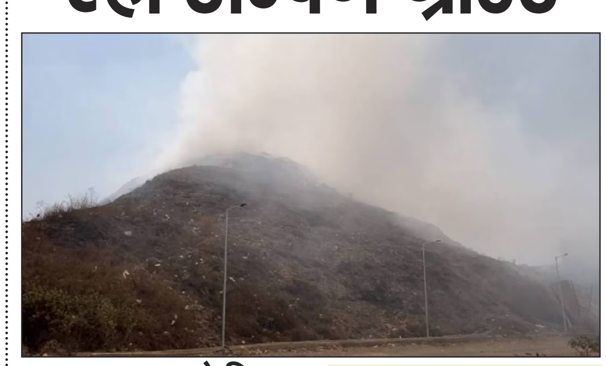

■ लगातार दूसरे दिन भी उठ रहा धुआं

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर के चिखलोली इलाके में गुरुवार को कचरे के डंप में भीषण आग लग गई। आग देर रात तक जलती रही। शुक्रवार को भी इस कचरे के डंप से धुआं उठ रहा था। इससे इलाके में काफी बदबू फैल रही थी। यहां के लोगों ने अंबरनाथ नगर परिषद की नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले से मुलाकात की और इस कचरा डम्पिंग को तुरंत बंद करने की मांग की।

अगस्त 2021 में इस लैंडफिल को बंद करने का ऑर्डर दिया गया था क्योंकि इस लैंडफिल के सामने एक जूनियर कोर्ट बनाया जाना था। उसके बाद, उस समय के पालक मंत्री एकनाथ शिंदे ने चिखलोली में रिजर्वेशन नंबर 132 पर कचरा टेम्परारी तौर पर डालने की इजाज़त दे दी थी। उसी समय चिखलोली के लोगों ने इस टेम्पररी लैंडफिल का विरोध किया था। हालांकि, यह लैंडफिल यह कहकर शुरू किया गया था कि यह कचरा कुछ दिनों के लिए डाला जाएगा। पांच साल बाद भी यह लैंडफिल बंद नहीं हुआ है।

गुरुवार को इस लैंडफिल में भीषण आग लग गई थी। कुछ लोगों का कहना है कि आग बुधवार को ही लग गई थी। हालांकि, गुरुवार को आग काफी फैल गई। आग बड़ी होने की वजह से लोगों में डर का माहौल बन गया था। इलाके में काफी बदबू फैल गई थी। शुक्रवार को भी आग सुलग रही थी। इस वजह से इलाके के लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। इसलिए गुस्साए लोगों ने अंबरनाथ की नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले से मिलकर इस लैंडफिल को बंद करने की मांग की।

कचरा डंपिंग की गंभीर समस्या

अंबरनाथ शहर में कचरे के डंपिंग की समस्या पिछले एक दशक से गंभीर हो गई है। शहर का कचरा पहले मोरीवली पाड़ा में डंप किया जाता था। इस कचरे में लगातार आग लगने की घटनाओं से आसपास के इलाके के लोग हैरान थे. गर्मियों में लोगों को अपने घर के दरवाजे और खिड़कियां बंद करके रहना पड़ता था। लेकिन, कचरे के डंप का कोई हल नहीं निकल रहा था। इस कचरे के ढेर पर लाखों रुपये की मिट्टी और पाइप लगाकर आग पर काबू पाने की महंगी कोशिशें की जा रही थीं।

लोगों के लिए सिरदर्द

शुरू से ही यह कचरा डंप यहां के लोगों और पास के जांभूल ग्राम पंचायत के गांववालों के लिए सिरदर्द बना हुआ है। पहले देखा गया था कि मानसून के दौरान इस कचरे के डंप में जमा होने वाला पानी सीधे आस-पास के घरों की पानी की टंकियों में चला जाता था। जबकि सीवेज के पानी ने जांभूल गांव के किसानों की खेती को बंजर बना दिया था। उसके बाद भी यह कचरा डंप बंद नहीं हो सका।

डांस बार पर पुलिस का छापा, 21 महिलाएं हिरासत में!

भिवंडी. डांस बार पर बैन होने के बावजूद भिवंडी के ओल्ड आगरा रोड इलाके में ऑर्केस्ट्रा के नाम पर चल रहे एक बार में कुछ महिलाएं कस्टमर्स के सामने अश्लील डांस कर रही थीं। इसी दौरान ठाणे पुलिस ने रेड मारकर 21 महिलाओं, पांच पुरुष वेटर और तीन कस्टमर्स को हिरासत में लिया। उनके खिलाफ नारपोली पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। जिन महिलाओं पर कार्रवाई की गई, वे सभी ठाणे की रहने वाली हैं। इस ऑपरेशन की वजह से उजागर हुआ है कि गैर-कानूनी डांस बार अभी भी चल रहे हैं.

भिवंडी के ओल्ड आगरा रोड इलाके में आशीर्वाद बार और रेस्टोरेंट है। पुलिस को जानकारी मिली थी कि यहां महिला वेटर बार में आने वाले कस्टमर्स के सामने हिंदी और मराठी गानों पर अश्लील डांस और अश्लील हरकतें कर रही हैं। इस जानकारी के आधार पर, निज़ामपुरा पुलिस स्टेशन के अधिकारी और कर्मचारी शुक्रवार रात करीब 11 बजे बार में घुसे। उस समय, महिलाएं छोटे कपड़े पहनकर 'दीवानी मैं दीवानी..' गाने पर अश्लील डांस कर रही थीं। इसके बाद, पुलिस की एक टीम ने तुरंत उस जगह पर छापा मारा। पुलिस ने वहां मौजूद कर्मचारियों को पहचान पत्र दिखाकर सभी बदतमीज़ी को रोका। उन्होंने यहां 21 महिलाओं, पांच कर्मचारियों और तीन ग्राहकों को भी हिरासत में लिया।

इस बार में काम करने वाली महिलाएं ठाणे शहर की हैं और लोकमान्य नगर, सावरकर नगर, धर्मवीर नगर, ब्रह्माण्ड, वागले एस्टेट, इंदिरा नगर इलाकों की हैं।

6 महीने से फरार डॉक्टर गिरफ्तार

कल्याण. फार्मेसी व्यवसाय के नाम पर लाखों की ठगी कर फरार चल रहे आरोपी डॉक्टर को आखिरकार सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पिछले 6 महीनों से फरार इस आरोपी की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी सफलता मान रही है, जबकि उसकी पत्नी अब भी फरार है, और उसकी तलाश जारी है। खड़कपाड़ा के सहायक पुलिस निरीक्षक विजय गायकवाड़ की टीम ने सोमवार सुबह आरोपी डॉ.प्रसाद यादवराव साली को दबोचकर कोर्ट में पेश किया। अदालत ने सुनवाई के बाद आरोपी को 27 मार्च तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, डॉ.साली और उनकी पत्नी वैशाली प्रसाद साली ने फार्मेसी व्यवसाय के नाम पर करीब 70 लाख रुपये की ठगी की थी। इस मामले में प्रज्ञा सौरभ कांबले और डॉ.राहुल दुबे ने 13 सितंबर को खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

गैर-कानूनी बिल्डिंग बनाने वाले माफिया के खिलाफ 'MRTP' केस

कल्याण. कल्याण डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सीमा में 27 गांवों में से एक गांव द्वारली में गैर-कानूनी बिल्डिंग बनाने वाले तीन माफियाओं के खिलाफ महाराष्ट्र रीजनल एंड टाउन प्लानिंग एक्ट (MRTP) के तहत शिकायत दर्ज की गई है। हिल लाइन पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

यह केस कल्याण ईस्ट के द्वारली गांव के भगवान मारुति भोईर, सुचिता मारुति भोईर, सौरभ भोईर के खिलाफ दर्ज किया गया है। उन्होंने कल्याण डोंबिवली मनपा के टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट से जरूरी कंस्ट्रक्शन परमिट लिए बिना और सरकारी परमिट लिए बिना एक ग्राउंड फ्लोर और दो फ्लोर वाली गैर-कानूनी बिल्डिंग बनाई है।

इस गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन मामले में वार्ड के असिस्टेंट कमिश्नर चंद्रकांत जगताप के गाइडेंस में सुपरिटेंडेंट राजेंद्र सालुंखे ने म्युनिसिपल सीनियर अधिकारियों के आदेश पर लैंड माफिया के खिलाफ यह केस दर्ज किया है। सुपरिटेंडेंट सालुंखे ने हाल ही में पिसवली में एक हिंदी स्कूल के गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन मामले में स्कूल प्रिंसिपल के खिलाफ MRTP केस फाइल किया है। अब यह दूसरा केस है जो उन्होंने फाइल किया है।

पिछले साल, द्वारली गांव में भगवान भोईर और सौरभ भोईर के खिलाफ केस फाइल किया गया था, जिन्होंने एक गैर-कानूनी बिल्डिंग का कंस्ट्रक्शन शुरू किया था। इन शिकायतों को उस समय के म्युनिसिपल अधिकारियों ने वेरिफाई किया था। पिछले साल नवंबर में । वार्ड के उस समय के असिस्टेंट कमिश्नर ने भोईर परिवार से कंस्ट्रक्शन परमिट, जमीन के मालिकाना हक और दूसरे सरकारी परमिशन के डॉक्यूमेंट जमा करने को कहा था। भगवान भोईर और दूसरे लोग सुनवाई में पेश नहीं हुए। उसके बाद, मनपा के आई विभाग ने महाराष्ट्र म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एक्ट 478 के तहत भोईर के कंस्ट्रक्शन को गैर-कानूनी घोषित कर दिया और इस कंस्ट्रक्शन को तुरंत गिराने का निर्देश दिया गया।

नोटिस देने के चार महीने बाद भी, भगवान भोईर और सौरभ भोईर ने खुद से बनाया हुआ कंस्ट्रक्शन नहीं हटाया। इसलिए, मौजूदा असिस्टेंट कमिश्नर जगताप और सुपरिटेंडेंट सालुंखे ने प्रिवेंटिव लीगल एक्शन लेने का फैसला किया। असिस्टेंट कमिश्नर चंद्रकांत जगताप और सुपरिटेंडेंट राजेंद्र सालुंखे ने शिकायत में कहा है कि उन्होंने खुद से बनाए गए गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को नहीं हटाया, इसलिए महाराष्ट्र म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एक्ट 1949 के सेक्शन 397 के तहत संबंधित गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन मालिकों के खिलाफ यह कार्रवाई की जा रही है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

साझा घरेलू जिम्मेदारियां

भारतीय परिवारों में महिलाएं ही घरेलू कामकाज संभालती आई हैं। आमतौर पर पति उनका हाथ नहीं बंटाते, दुहाई परंपरा हो या फिर अपने काम और परिश्रम की। इस बहाने प्रकारांतर से महिलाओं की गरिमा और उनके श्रम की जिस तरह उपेक्षा होती आई है, वह किसी भी सभ्य समाज के लिए विचार का विषय होना चाहिए। सच यह है कि घर में भी कामकाज का दायरा काफी बड़ा होता है और उसे अकेले गृहिणी के भरोसे छोड़ देना उचित नहीं है। घरेलू काम को मिल-बांट कर करने से न केवल काम का बोझ हल्का होता है, बल्कि इससे एक दूसरे के प्रति सम्मान बढ़ जाता है और पत्नी को समानता का अहसास होता है।

इस आदर्श स्थिति से पूरा परिवार एकजुट महसूस करता है, लेकिन ऐसी स्थिति कम ही दिखाई देती है। यह दुखद ही है कि घरेलू कामकाज से लेकर खाने तक में कमियां निकालने की शिकायतें कई बार विवाद की वजह बन जाती हैं और कभी-कभी मामला अदालत तक पहुंच जाता है। ऐसे ही एक मामले में तलाक मांग रहे पति से शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि पतियों को भी घर के कामकाज की जिम्मेदारी उठानी चाहिए, क्योंकि आपने घरेलू सहायिका से नहीं, जीवन संगिनी से शादी की है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि घर में खाना पकाना हो या साफ-सफाई करना हो, अगर पति-पत्नी की भागीदारी हो, तो इससे परस्पर समानता और सम्मान का भाव पैदा होता है। इसकी अहमियत केवल काम में सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिला के व्यक्तित्व और उसकी अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है कि उसका विवाह पति के घर के सारे काम अकेले निपटाने के लिए नहीं हुआ है।

बल्कि उसके व्यक्तित्व का भी सम्मान किया जाता है, उसे महत्त्व दिया जाता है। इससे एक नया आत्मविश्वास पैदा होता है, जो एक घर और परिवार के बीच संवेदना की कड़ियों को और मजबूत करता है।

इसका एक जरूरी पहलू यह है कि जब घर के बच्चे अपने माता-पिता को मिल कर घरेलू कामकाज निपटाते देखेंगे, तो उनके भीतर भी स्त्री-पुरुष समानता के पाठ का प्रशिक्षण होगा। किसी घर में इस तरह के माहौल और कामकाज में बराबरी की सहभागिता लोगों को मानवीय संवेदनाओं से लैस करेगी और समाज को ज्यादा मानवीय बनाएगी।

विचार : प्रासंगिकता खोता संयुक्त राष्ट्र

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष और रूस-यूक्रेन जैसे युद्धों ने न सिर्फ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित किया है, बल्कि भू-राजनीतिक तनावों ने विश्व के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। ऊर्जा की कीमतों में तीव्र बढ़ोतरी ने न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था को अस्थिर कर दिया है, बल्कि मुद्रा विनिमय दरों पर दबाव बढ़ने से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित हो रही हैं। आज हर देश, चाहे वह विकसित हो या विकासशील महंगाई, बेरोजगारी और धीमी आर्थिक वृद्धि जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है।

विश्व की बदलती भू-राजनीति केवल राजनीतिक संतुलन को ही प्रभावित नहीं कर रही, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका को भी गहराई से प्रभावित कर रही है। इन परिस्थितियों में संयुक्त राष्ट्र से यह अपेक्षा थी कि वह विभिन्न देशों के बीच संवाद स्थापित कर, संघर्षोंन को रोककर और कूटनीतिक समाधान निकालकर वैश्विक स्थिरता बनाए रखेगा।

किंतु वास्तविकता यह है कि संयुक्त राष्ट्र इन अपेक्षाओं पर पूर्णतः खरा नहीं उतर पाया है। बड़े देशों के बीच बढ़ते अविश्वास, हितों के टकराव और शक्ति राजनीति के कारण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसी संस्था भी निर्णायक हस्तक्षेप करने में असमर्थ रही है। परिणामस्वरूप न केवल युद्ध लंबे समय तक चल रहे हैं, बल्कि उनका प्रभाव विश्व अर्थव्यवस्था पर और अधिक गहरा होता जा रहा है।

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के बीच बढ़ते तनाव के दौरान संयुक्त राष्ट्र की चेतावनियां केवल प्रतीक मात्र बनकर रह गई हैं। एक ओर संयुक्त राष्ट्र के मंच से शांति और संवाद की बात की जाती है, दूसरी ओर जमीनी स्तर पर मिसाइल हमले, सैन्य कार्रवाई और नागरिक हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह अंतर केवल कूटनीतिक कमजोरी का नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन की वास्तविकता का भी प्रतीक है, जहां शक्तिशाली देश अपने रणनीतिक हितों के अनुसार कार्य करते हैं और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की अपीलों को नजरअंदाज कर देते हैं।

स्पष्ट है कि संयुक्त राष्ट्र की कूटनीतिक प्रक्रिया वर्तमान समय की तेज और जटिल युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है। जहां एक ओर युद्ध तेजी से बदले हैं, वहीं दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत धीमी और औपचारिक होती है जिससे इसकी विश्वसनीयता एवं प्रासंगिकता भी लगभग खत्म हो चुकी है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर देशों के बीच सहयोग, संवाद, शांति और भविष्य के युद्धों को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी। प्रारंभिक दशकों में इस संस्था ने कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं, परंतु बदलती वैश्विक परिस्थितियों में इसकी संरचना और कार्यप्रणाली अब समय के साथ सामंजस्य नहीं बिठा पा रही है। उस समय शक्ति संतुलन कुछ चुनिंदा देशों के हाथ में केंद्रित था, जबकि आज वैश्विक शक्ति बहुध्रुवीय हो चुकी है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों का प्रभाव बढ़ा है।

भारत, चीन, ब्राजील और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ऐसे समय में यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि संयुक्त राष्ट्र को वर्तमान वैश्विक वास्तविकताओं के अनुरूप पुनर्गठित और सशक्त बनाया जाए, ताकि पुनः अपनी प्रभावशीलता प्राप्त कर विश्व को एक अधिक सुरक्षित, संतुलित और सही दिशा प्रदान कर सके। इसमें भारत जैसे जिम्मेदार और लोकतांत्रिक राष्ट्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। भारत को न केवल इस सुधार प्रक्रिया में सक्रिय पहल करनी चाहिए, बल्कि एक संतुलित, समावेशी और न्यायपूर्ण वैश्विक व्यवस्था के निर्माण के लिए नेतृत्व भी प्रदान करना होगा।

संयुक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी चुनौती उसकी निष्क्रियता नहीं, बल्कि संरचनात्मक बाधाएं हैं, जहां वीटो पावर की राजनीति वैश्विक शांति के प्रयासों को बार-बार अवरुद्ध कर देती है। सबसे पहले सुरक्षा परिषद का विस्तार किया जाना चाहिए, ताकि भारत, जापान, जर्मनी और ब्राजील जैसे देशों को उचित प्रतिनिधित्व मिल सके और यह संस्था वर्तमान वैश्विक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित कर सके।

प्रभु का आत्मा के लिए प्रेम अनंत है।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज
स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

भारत में किस शहर में पहली बार बिजली आई थी?

भारत में बिजली ब्रिटिश काल में ही आ गई थी और इसकी शुरुआत किसी एक घर से नहीं, बल्कि सार्वजनिक

जरा हट के

सड़कों से हुई. इस तरह देश का पहला शहर कोलकाता था, जहां की सड़कों पर पहली बार बिजली की रोशनी पहुंचाई गई थी, लेकिन कर्नाटक का कोलार देश में पहला शहर था, जिसके हर घर तक बिजली पहुंची.

ऐसे में अगर सवाल भारत में सबसे पहले बिजली की रोशनी कहां जली से जुड़ा है, तो इसका सीधा जवाब है कोलकाता. तारीख थी 24 जुलाई 1879, जब 'पीडब्ल्यू फ्ल्यूरी एंड कंपनी' ने वहां की सड़कों पर पहली बार इलेक्ट्रिसिटी की रोशनी पहुंचाई थी. उस दौर में यह लोगों के लिए बिल्कुल नया अनुभव था, क्योंकि तब तक रोशनी के लिए मुख्य रूप से मिट्टी तेल के दीये और मशालें इस्तेमाल होती थीं. ऐसे में तारों से जलने वाले बल्बों को देखकर उस वक्त लोग दंग

रह गए थे. इसके बाद धीरे-धीरे अन्य बड़े शहरों में बिजली का विस्तार शुरू हुआ. लेकिन यहां एक बड़ा अंतर है जो अक्सर लोग भूल जाते हैं. सड़कों पर रोशनी पहुंचाना और एक पूरे शहर का विद्युतीकरण करना, ये दो अलग बातें हैं.

अगर बात पूरी तरह विद्युतीकरण वाले पहले शहर की करें, तो वह गौरव कर्नाटक के कोलार (Kolar) को प्राप्त है. कर्नाटक की कोलार गोल्ड फील्ड्स उन शुरुआती स्थानों में थी, जहां बिजली का संगठित इस्तेमाल खदानों और रिहायशी इलाकों तक पहुंचा. इस पूरे शहर को बिजली से लैस किया गया, जिसे खास तौर पर सोने की खदानों में काम करने वाले मजदूरों के रहने के लिए बसाया गया था. 1902 के आसपास यहां खदानों के संचालन, मशीनों और रोशनी के लिए बिजली का इस्तेमाल शुरू हुआ. कोलार गोल्ड फील्ड्स को बिजली पहुंचाने के लिए कावेरी नदी पर शिवनासमुद्र जलप्रपात के पास भारत का पहला जलविद्युत केंद्र स्थापित किया गया था. दिलचस्प बात यह है कि इस गोल्ड माइन पर 'KGF' नाम की सुपरहिट फिल्म भी बनी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के कई रिकॉर्ड्स बनाए थे.

भारत पर महंगाई का खतरा क्यों बढ़ा !

पश्चिम एशिया में ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमले के बाद दिनोंदिन हालात जटिल होते जा रहे हैं। साफ है कि युद्ध का प्रत्यक्ष असर भले ही हमले की जद में आए देशों में पड़ रहा हो, लेकिन इसकी वजह से अब दूसरे वैसे देश भी प्रभावित होने लगे हैं, जो अपनी कई जरूरतों के लिए मध्यपूर्व के देशों पर कम या ज्यादा निर्भर हैं। उदाहरण के तौर पर ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से उस रास्ते से तेल और गैस लेकर जाने वाले लगभग सभी देशों के जहाजों का भी रास्ता बंद है। कुछ खास स्थितियों में आंशिक इजाजत दी जा रही है, लेकिन उसके सहारे आने वाले दिनों के व्यापक संकट को लंबे समय तक नहीं टाला जा सकता है।

तेल और गैस की आपूर्ति में भारी कमी की वजह से उपजे मुश्किल से निपटने के लिए भारत ने रूस सहित अन्य विकल्पों की ओर रुख किया है, मगर इससे स्थितियों को सामान्य बनाने में सीमित मदद ही मिलेगी। यह बेवजह नहीं है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच भारत में भी शुक्रवार को उच्च श्रेणी के पेट्रोल में करीब दो रुपए और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को बेचे जाने वाले डीजल में बाईस रुपए की बढ़ोतरी की गई।

हालांकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की मौजूदा कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि आने वाले कितने दिनों तक इनके दाम स्थिर रहेंगे।

मसलन, अगर भारी उद्योगों और बड़ी मशीनों के संचालन में इस्तेमाल में आने वाले औद्योगिक डीजल की कीमतों में खासी बढ़ोतरी हुई है, तो इसका सीधा प्रभाव उत्पादन की लागत पर पड़ेगा। ऐसे में जब औद्योगिक कंपनियों के मुनाफे में कमी आएगी, तो स्वाभाविक रूप से इसके असर से कई अन्य सामान महंगे हो सकते हैं।

रसोई गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित होने के कारण लोगों को पहले ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में आम उपयोग के पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी होती है, तो यह कोई हैरानी की बात नहीं होगी। इसके बाद इसका असर माल ढुलाई पर पड़ेगा और बाजार में खाने-पीने की चीजों की महंगाई भी बढ़ सकती है। दरअसल, भारत अपनी जरूरत के कच्चे तेल और गैस के लिए खाड़ी देशों से होने वाली आपूर्ति पर काफी हद तक निर्भर है। जब से ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध की शुरुआत हुई है, उसके बाद भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में वहां से कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है। एक ओर प्रभावित देशों की ओर से यह उम्मीद की जा रही है कि किसी भी हाल में वार्ता के जरिए समस्या का हल निकाला जाए और युद्ध रुके, ताकि प्रभावित देशों में स्थिति और ज्यादा न बिगड़े। दूसरी ओर, हालत यह है कि अब युद्ध में शामिल दोनों पक्षों की ओर से बड़े पैमाने पर तेल ठिकानों को भी निशाना बनाया जाने लगा है और व्यापक तबाही सामने आ रही है। जाहिर है, इससे सीधे तौर पर मध्यपूर्व के देशों से अन्य देशों के लिए तेल और गैस की आपूर्ति ठप पड़ेगी तथा इससे संकट का दायरा और विस्तृत होगा।

भारत के सामने जो हालात पैदा हो रहे हैं, उसमें सरकार को हर स्तर पर कूटनीतिक पहल करके कच्चे तेल और रसोई गैस की आपूर्ति का रास्ता तैयार करने को प्राथमिकता देने की जरूरत है। अगर इस मोर्चे पर टालमटोल का रुख अख्तियार किया गया, तो आने वाले दिनों में संकट का अंदाजा लगाया जा सकता है।

तरबूज का टेस्टी हलवा

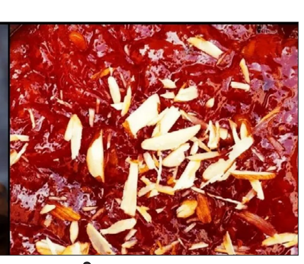

खाना-खजाना

गर्मियों के सीजन में तरबूज भला कौन नहीं खाता है। कई लोग इसका जूस या स्मूदी बनाकर भी पीते हैं, लेकिन क्या आपने कभी इसका हलवा खाया है? जी हां, ये खाने में इतना स्वादिष्ट होता है, कि आप एक बार इसे बनाएंगे, तो सूजी, बेसन या मूंग दाल का हलवा भी भूल जाएंगे। यकीन नहीं हो रहा? तो चलिए आइए एक बार इस आसान रेसिपी से बनाकर देखिए तरबूज का टेस्टी हलवा।

सामग्री :

- तरबूज- 1
- बेसन- 1/4 कप
- सूजी उपमा -1/4 कप
- चीनी- 1/2 कप
- दूध- 1 कप
- घी- 4 टी स्पून
- केसर- 2 चुटकी
- खोया- 1/2 कप
- इलायची पाउडर- 1 टी स्पून

विधि :

तरबूज का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले इसे छीलकर कद्दूकस कर लें। अब गैस पर एक मोटे तले की कढ़ाई में घी डालकर गर्म करने के लिए रख दें। घी गर्म हो जाए, तो इसमें बेसन और सूजी डालें। दोनों चीजों को तबतक भूनें, जबतक तब तक भूनें जब तक बेसन की खुशबू आने न लगे।

अब कढ़ाई में कद्दूकस किए गए तरबूज को डालें, और घी छोड़ने तक लगातार चलाते हुए पका लें। इसमें चीनी, दूध और खोया भी डालें, और मिश्रण को मिक्स करके 10-15 मिनट और मीडियम फ्लेम पर पकने दें।

अब इसमें इलायची पाउडर मिलाएं, और चाहें तो अपने पसंदीदा ड्राई फ्रूट्स भी डाल दें। तैयार है तरबूज का स्वादिष्ट हलवा।

आज का राशिफल

मेष : व्यवसाय ठीक चलेगा। समय नेष्ट है। नए कार्य में लाभ मिलेगा। नौकरी और व्यापार के लिए समय अच्छा रहेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृषभ : पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे।

मिथुन : प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क : नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें।

सिंह : पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है।

कन्या : पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

तुला : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

वृश्चिक : शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु : यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

मकर : कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कुंभ : नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी।

मीन : चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है। आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बुढ़ापे तक आंखों की रोशनी रखना है बरकरार?

जवानी में ही अपना लें ये 5 अच्छी आदतें

आंख, शरीर के सबसे नाजुक अंगों में से एक है. इसके सहारे हम पूरी दुनिया का दीदार करते हैं. अगर आंख नहीं हो तो हम कुछ भी नहीं देख पाएंगे, इसलिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपनी आंख को सुरक्षित रखें. दरअसल, बढ़ती उम्र के साथ आंख की रोशनी कम होने लगती है. इसके जिम्मेदार अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत आदतें भी होती हैं. यही वजह है कि आजकल कम उम्र में ही लोगों को चश्मे लग रहे हैं. आंखों को हेल्दी रखने के लिए विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट और पोषण से भरपूर फूड्स तो लेना ही चाहिए. साथ ही, कुछ सुरक्षा भी बेहद जरूरी है. राजकीय मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक रंजन ने आंखों को सुरक्षित रखने के कुछ आसान तरीके बताए

पोषण युक्त भोजन

डॉ. आलोक रंजन के मुताबिक, आंखों की सेहत को दुरुस्त रखने के लिए ल्युटिन, जिंक, विटामिन C, विटामिन A

और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फूड्स का सेवन करना चाहिए. इसके लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, पालक, गाजर, केल, नट्स, संतरा, अनार जैसे फूड्स को डाइट में शामिल करें. यदि आप मांसाहारी हैं तो सैल्मन मछली, अंडा, टूना मछली का सेवन कर सकते हैं.

धूप में चश्मा लगाएं

यदि आप कहीं धूप में बाहर निकल रहे हों तो सन ग्लासेज जरूर लगाकर निकलें. इससे धूप, धूल आदि से आंख की सुरक्षा हो सकेगी. ये आपकी आंखों को बाहर की वैक्टीरिया से सुरक्षित रखते हैं. इसलिए आप भी चश्मा जरूर लगाएंगे.

स्मोकिंग छोड़ें

एक्सपर्ट के मुताबिक, यदि आप स्मोकिंग करते हैं तो तुरंत इसे छोड़ देना चाहिए. ये आंखों की सेहत के लिए हानिकारक है. स्मोकिंग आपके नर्वस को नुकसान पहुंचा सकते हैं. इसलिए आप भी स्मोकिंग छोड़ दें.

आई प्रोटेक्शन जरूरी

किसी भी खेल या अन्य जगह आंखों की सेफ्टी का जरूर ध्यान रखें. इसके लिए जब अगर आप हॉकी, क्रिकेट या अन्य कोई खेल खेलने जाएं तो हेलमेट जरूर लगा के रखें. साथ ही बाइक में भी हेलमेट जरूर लगाएं.

देर तक कंप्यूटर स्क्रीन से दूरी

अगर आप बहुत ज्यादा कंप्यूटर स्क्रीन के सामने रहते हैं तो यह आपकी आंखों के लिए नुकसानदेह है. इससे रोशनी कम होती है. जिसके कारण धीरे-धीरे दिखना कम हो सकता है. इसलिए आप कंप्यूटर के सामने कम से कम काम करें साथ ही अगर आप अधिक समय तक काम करते हैं तो डॉक्टर की सलाह से चश्मे का उपयोग जरूर करें.

गर्मी में मेकअप को खराब होने से बचाने के टिप्स

1. जब भी आप मेकअप करें तो मॉइश्चराइजर लगाना न भूलें. कई बार मॉइस्चराइज नहीं करने से पसीना अधिक आता है. इससे भी कई बार मेकअप फैलने लगता है. चेहरा काफी चिपचिपा नजर आता है.

2. गर्मी के मौसम में कम से कम मेकअप वैसे तो अप्लाई करना चाहिए खासकर दिन के समय में. यदि आपको दिन भर बाहर रहना है तो लाइट मेकअप ही करें. सस्ते मेकअप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बचें.

3. यदि आप मेकअप करती हैं तो प्राइमर का इस्तेमाल जरूर करें. इससे स्किन पर मेकअप लगाने के बाद इसका ऑयल बैलेंस सही बना रहता है. चेहरा धूप में ऑयली नहीं होता है. जितनी अधिक आपकी स्किन ऑयली होगी, मेकअप भी उतनी जल्दी ही चिपचिपा हो जाएगा. तो जिनकी भी स्किन बहुत ऑयली है, वे प्राइमर का इस्तेमाल अवश्य करें.

4. गर्मी के दिनों में आप मेकअप करें तो फाउंडेशन बहुत अधिक ना लगाएं. पसीना निकलने से आपकी स्किन पर लगा फाउंडेशन पैचेज में हटने लगता है. इससे चेहरा कहीं सफेद, कहीं नॉर्मल नजर आने लगता है, जो देखने में अच्छा नहीं लगता है. अधिक मात्रा में फाउंडेशन लगाने से स्किन के पोर्स लॉक हो सकते हैं और खुलकर ये सांस नहीं ले पाते हैं. पसीना भी अधिक आता है और आपका मेकअप उतर सकता है.

5. चाहे आप लाइट या हेवी मेकअप ही क्यों न करें, गर्मी के मौसम में पाउडर लगाना ना भूलें. इससे मेकअप स्किन पर आसानी से सेट हो जाती है. आजकल मार्केट में कई तरह के ट्रांसलूसेंट पाउडर मिलने लगा है. इसकी मदद से आप कंसीलर, फाउंडेशन को आसानी से सेट कर सकती हैं.

बालों का इलाज करा रही महिला की डैमेज हो गई किडनी

रिपोर्ट में सामने आई ये गंभीर बात

कॉस्मेटिक उत्पादों में मौजूद हानिकारक रसायनों के बारे में अब तक कई अध्ययनों में अलर्ट किया जाता रहा है। शोधकर्ता बताते हैं, चेहरे को चमकाने का दावा करने वाली कई क्रीम्स और अन्य उत्पादों में ऐसे हानिकारक तत्व मौजूद हो सकते हैं, जिससे कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। डियोड्रेंट्स को लेकर किए गए शोध में भी इससे होने वाले खतरों को लेकर सावधान किया जाता रहा है। हालांकि इस बार जो मामला सामने आया है वो हैरान कर देने वाला है।

द न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक सैलून में हेयर स्ट्रेटनिंग ट्रीटमेंट ले रही एक महिला की किडनी डैमेज हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक महिला करीब तीन साल की अवधि में बालों को सीधा कराने के लिए अक्सर सैलून जाया करती थी, इसी दौरान उसे सेहत में कुछ दिक्कतें होने लगीं। जांच के दौरान पता चला कि उसे किडनी में गंभीर समस्या हो गई है।

ऐसे में सवाल है कि क्या हेयर स्ट्रेटनिंग से किडनी फेलियर जैसी दिक्कतों का खतरा हो सकता है?

हेयर स्ट्रेटनिंग ट्रीटमेंट के कारण किडनी की दिक्कत

मेडिकल रिपोर्ट में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया, बालों को सीधा करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ उत्पादों के कारण आर्गन डैमेज जैसी गंभीर समस्याओं का भी खतरा हो सकता है। डॉक्टर्स ने बताया, महिला की उम्र 26 साल है और वह जून 2020 से जुलाई 2022 के बीच कई बार हेयर

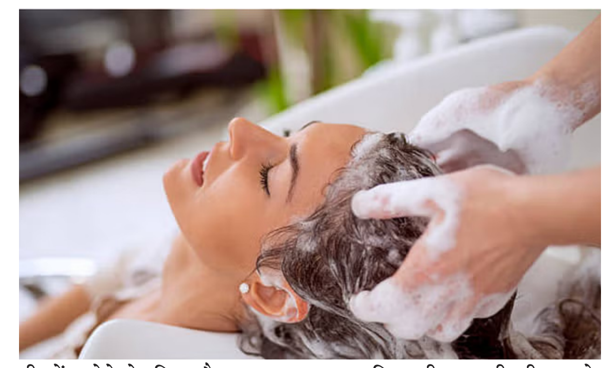

ट्रीटमेंट लेने के लिए सैलून जाया करती थी। महिला को पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं थी, लेकिन हर बार ट्रीटमेंट लेने के बाद उसे उल्टी, दस्त, बुखार और पीठ दर्द का अनुभव होता था। उपचार के दौरान उसने अपनी खोपड़ी पर जलन की भी शिकायत की और उसके सिर पर अल्सर भी हो गया था।

महिला की स्थिति समय के साथ बिगड़ती जा रही थी। इसके बाद उपचार के दौरान जांच में पाया गया कि खून में क्रिएटिनिन का स्तर काफी बढ़ा हुआ था, जिसमें किडनी की समस्याओं का भी संदेह हुआ। जांच के अगले चरणों में महिला में किडनी खराब होने की समस्या का निदान किया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक महिला ने पेशाब में खून आने की भी शिकायत की थी, जिसके बाद डॉक्टरों ने सीटी स्कैन कराने के लिए कहा लेकिन इसमें संक्रमण का कोई अन्य लक्षण नहीं दिखा था।

स्ट्रेटनिंग क्रीम में हो सकते हैं खतरनाक रसायन

डॉक्टर्स कहते हैं, बालों का इलाज करने के दौरान स्ट्रेटनिंग क्रीम लगाया जाता था जिसमें रासायनिक ग्लाइऑक्सिलिक एसिड होता है। डॉक्टर इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि संभवतः इसके कारण ही उसकी खोपड़ी में जलन और अल्सर हो गया था।

बाद में चूहों पर किए गए प्रयोग में पता चला कि ये एसिड त्वचा के माध्यम से शरीर में अवशोषित हो जाता है और किडनी तथा अन्य अंगों तक पहुंच सकता है, जिसके कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा हो सकता है।

खबरें गांव की...

दो शादियां, 18 बच्चे और खौफनाक अंत; अवैध संबंध से तंग प्रेमिका ने रची साजिश

प्रतापगढ़. यूपी में प्रतापगढ़ जिले के मानधाता थाना क्षेत्र में पिछले पांच दिनों से लापता पूर्व ग्राम प्रधान गुलहसन उर्फ मुन्ना का शव रविवार सुबह सुमेरपुर गांव के पास एक नहर से बरामद किया गया। पुलिस जांच में जो खुलासा हुआ है कि पूर्व प्रधान की हत्या की साजिश उनकी ही प्रेमिका ने रची थी, क्योंकि वह उनके लगातार बढ़ते दबाव और अवैध संबंधों से तंग आ चुकी थी। पूर्व प्रधान ने दो शादी पहले से की हुई थी। दोनों से उसे 18 बच्चे हैं। इनमें केवल एक लड़की की शादी हुई है। मिसिरपुर मुस्तकां गांव के निवासी गुलहसन 18 मार्च को अपनी बाइक से प्रयागराज जाने की बात कहकर घर से निकले थे। जब वे वापस नहीं लौटे और उनकी बाइक मऊआइमा के पास लावारिस मिली, तो परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जब मोबाइल कॉल डिटेल खंगाली, तो गांव की ही एक अनुसूचित जाति की महिला से उनकी लगातार बातचीत के सबूत मिले। कड़ाई से पूछताछ करने पर महिला ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया और पूरी कहानी बयां कर दी।

नाबालिग चचेरी बहन पर पेट्रोल उड़ेल भाई ने लगाई आग, पिता के साथ गिरफ्तार

अलीगढ़. उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के अतरौली क्षेत्र के गांव खानपुर में रविवार को पारिवारिक विवाद में भाई ने अपनी नाबालिग चचेरी बहन पर पेट्रोल उड़ेलकर आग लगा दी। किशोरी मंदिर से पूजा करके लौट रही थी। वह गंभीर रूप से झुलस गई। उसे जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां से दिल्ली रेफर कर दिया है। वहीं, घटना के बाद आरोपी तीन मंजिला घर की छत पर चढ़ गया और खुद पर भी पेट्रोल उड़ेलकर आग लगाने की धमकी देने लगा। करीब ढाई घंटे तक ड्रामा चलता रहा। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे समझाकर किसी तरह नीचे उतारा। मामले में छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है।

टेंपो से टकराई तेज रफ्तार कार, कार-किशोरी समेत चार लोगों की मौत, आठ घायल

संभल. यूपी के संभल में हादसा हो गया। धनारी थाना क्षेत्र में मुरादाबाद-आगरा नेशनल हाईवे पर रविवार शाम तेज रफ्तार कार और टेंपो की गांव उधरनपुर अजमतनगर मझौला के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। पुलिस ने सभी को एम्बुलेंस व निजी वाहनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने टेंपो सवार 12 वर्षीय किशोरी समेत चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। एक अज्ञात महिला समेत आठ लोग घायल हो गए। सभी घायलों को वहां से रेफर कर दिया। एक अज्ञात महिला समेत तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

हालात का फायदा लेने वाले झूठ फैलाएंगे, सावधान रहना!

- **PM मोदी ने किया अलर्ट**

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट पर आज (सोमवार को) लोकसभा में अपना वक्तव्य देते हुए लोगों को आगाह किया और देशवासियों से अपील की कि जैसे कोरोना के समय देश ने एकजुटता से उसका सामना किया था, उसी तरह मौजूदा संकट में भी हमें एकजुट रहना होगा। पीएम ने कहा कि इस जंग से लंबे समय तक के लिए हालात खराब होने की संभावना है। इसलिए सभी को तैयार रहना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, 'जैसे हम कोरोना में तैयार थे और उसका फायदा मिला था। उसी तरह हमें फिर से धीरज और संयम के साथ हर चुनौती का सामना करना है। यही हमारी पहचान है और यही हमारी ताकत है।'

प्रधानमंत्री ने संकट के समय में फायदा उठाने वालों को भी आगाह किया और कहा कि अफवाहबाजों को सफल होने नहीं देना है। उन्होंने कहा कि जमाखोरों के खिलाफ सरकार कड़े कदम उठाएगी और उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी। पीएम ने कहा, 'हमें बहुत सावधान और सतर्क भी रहना है। हालात का फायदा उठाने वाले झूठ फैलाने का भी प्रयास करेंगे। ऐसे लोगों की कोशिशों को सफल नहीं होने देना है।'

भारत के समक्ष कई अप्रत्याशित चुनौतियां

लोकसभा में प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने भारत के समक्ष कई अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, लेकिन सरकार स्थिति से निपटने के लिए सजग और तत्पर है। उन्होंने सदन में दिए एक वक्तव्य में यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कमी नहीं हो तथा देश के नागरिकों को परेशानी नहीं हो। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन को बताया कि देश के पास 53 लाख मीट्रिक टन का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार है।

अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा

उन्होंने कहा कि हर संभव माध्यम से पेट्रोल और गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले एक दशक में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो भी कदम उठाए हैं, वे मौजूदा स्थिति को देखते हुए और भी प्रासंगिक हो गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट शुरू हुए तीन सप्ताह से ज्यादा हो गया है तथा सभी देशों की अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, "इस युद्ध ने भारत के समक्ष अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये (चुनौतियां) न केवल आर्थिक, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी और मानवीय भी हैं।"

2.18 लाख सैनिकों की चतुरंगिणी सेना

शंकराचार्य ने काशी में कहा- सेना गाय, धर्म-शास्त्र और मंदिर की रक्षा करेगी; पहले रोकेगी, टोकेगी फिर ठोकेगी

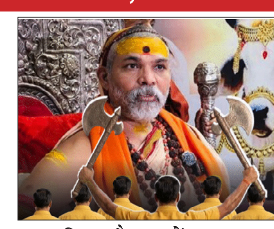

वाराणसी. वाराणसी में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सोमवार को चतुरंगिणी सेना बनाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा- चतुरंगिणी सेना में 2 लाख 18 हजार 700 सैनिक होंगे। इसमें देशभर से लोग भर्ती होंगे।

उन्होंने बताया- यह सेना गोरक्षा, धर्म रक्षा, शास्त्र रक्षा और मंदिर रक्षा का कार्य करेगी। उनकी ड्रेस पीली होगी। हाथ में परशु (फरसा) होगा।

अविमुक्तेश्वरानंद ने चतुरंगिणी सेना बनाने के लिए श्रीशंकराचार्य चतुरंगिणी सभा का गठन किया है। इसमें 27 सदस्य होंगे। इसका अध्यक्ष वे खुद होंगे।

शंकराचार्य ने अपनी सेना के काम करने के तरीके बताए। उन्होंने कहा- पहले टोको, यानी टोकेंगे। कहो कि यह गलत हो रहा है। नहीं माने तो रोको। भाई, आपको रुकना पड़ेगा। नहीं तो फिर ठोको। ठोको का मतलब सीधे प्रहार करना नहीं है। मुकदमा करना, शिकायत करना और पंचायत करना भी ठोको में आएगा। ये सभी संवैधानिक तरीके अपनाते हुए काम करेंगे।

शंकराचार्य बोले- एक टीम में 10 लोग होंगे

शंकराचार्य ने कहा- 1 पत्ती (टीम) में 10 लोग होंगे। 21 हजार 870 टीमें बनेंगी तो सेना तैयार हो जाएगी। भारत में अभी करीब 800 जिले हैं। अगर हर जिले में 27 टीमें, यानी 270 लोग तैयार हो गए, तो 2 लाख 16 हजार लोग तैयार हो जाएंगे।

'धार्मिक परिसर में उसी धर्म के लोग जाएं, जिसे वे मानते हैं'

उत्तराखंड के बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक के मामले में शंकराचार्य ने कहा- मक्का-मदीना में 40 किलोमीटर पहले ही दूसरे धर्म के लोगों को रोक दिया जाता है। वह गलत नहीं है। ठीक है। वैसे ही हमारे भी धर्म स्थल हैं। हमें भी अपनी पवित्रता चाहिए। हमें भी अपने ढंग से पूजा-पाठ करना है। वहां दूसरा क्यों जाएगा। हमारे यहां परंपरा है कि धार्मिक परिसरों में उसी धर्म के लोग जा सकते हैं, जिसे वे मानते हैं।

कोल्ड स्टोरेज ढहा, 20 लोगों के दबने की आशंका

- **रेस्क्यू जारी; 1 किमी तक फैली गैस**
- **मैनेजर को हिरासत में लिया गया**

प्रयागराज. उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सोमवार को कोल्ड स्टोरेज की बिल्डिंग ढह गई है। मलबे में 20 लोगों के दबे होने की आशंका है। 5 जेसीबी से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। करीब 1 किलोमीटर तक अमोनिया गैस का रिसाव हुआ है।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया है। गैस की बदबू के चलते ज्यादातर लोग मुंह पर कपड़ा (रुमाल, गमछा) बांधे हुए हैं। हादसा सोमवार दोपहर ढाई बजे फाफामऊ इलाके में हुआ। पुलिस ने कोल्ड स्टोरेज के मैनेजर को हिरासत में ले लिया है। उसे थाने लेकर गई है।

घटना से जुड़ा वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। लोग घायलों को उठाकर ले जा रहे हैं। कोल्ड समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक स्टोरेज अंसार अहमद का बताया जा रहा है। यह करीब 60 एकड़ जमीन में फैला है।

गुरुग्राम में खुला देश का पहला LPG एटीएम

- **24 घंटे मिल रहा 10 किलो का सिलेंडर**

गुरुग्राम. गुरुग्राम के सोहना क्षेत्र में सेक्टर 33 स्थित सेंट्रल पार्क फ्लावर वैली में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) ने देश का पहला 'LPG ATM' यानि गैस वेंडिंग मशीन शुरू की है। इसे 'भारत गैस इंस्टा LPG' नाम दिया गया है। यह उत्तर भारत में इस तरह का पहला स्वचालित सिस्टम है, जो 24 घंटे खुला रहता है और घरेलू गैस सिलेंडर की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित करता है।

पिछले कुछ महीनों से देशभर में LPG की सप्लाई चेन में देरी, मिडिल ईस्ट में तनाव और पैनिक बुकिंग के कारण गैस सिलेंडर की कमी देखी जा रही है। कई इलाकों में उपभोक्ताओं को डिलीवरी के लिए दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में गुरुग्राम में यह LPG ATM एक बड़ी राहत लेकर आया है। यह मशीन ATM की तरह ही काम करती है, उपभोक्ता खाली सिलेंडर लाकर कुछ ही मिनटों में भरा हुआ सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और संपर्क-रहित (कॉन्टैक्टलेस) है।

2 मिनट में मिलेगा सिलेंडर

पूरी प्रक्रिया में मात्र 2 से 3 मिनट का समय लगता है। वह मशीन हल्के वजन वाले कम्पोजिट सिलेंडर वितरित करती है, जो पारंपरिक स्टील सिलेंडर से काफी हल्के होते हैं और इन्हें महिलाओं व बुजुर्गों के लिए उठाना-रखना आसान होता है। फिलहाल यहां से 10 किग्रा के सिलेंडर दिए जा रहे हैं।

- **पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू**

मशीन में एक समय पर 10 सिलेंडर रखे जा सकते हैं। स्टॉक दो सिलेंडर रह जाने पर नजदीकी गैस एजेंसी को ऑटोमैटिक अलर्ट चला जाता है, जिससे रीस्टॉकिंग समय पर हो सके। यह प्रोजेक्ट BPCL का पायलट प्रोजेक्ट है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक डिलीवरी सिस्टम पर निर्भरता कम करना और उपभोक्ताओं को 24x7 सुविधा उपलब्ध कराना है।

युद्ध के बीच तेल-गैस से ईरान की रिकॉर्ड कमाई

- **खार्ग टर्मिनल से सप्लाई जारी**
- **खाड़ी देशों का प्रोडक्शन 70% तक गिरा**

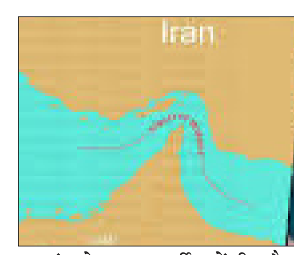

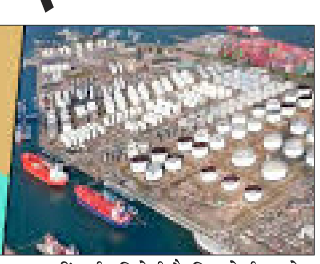

अमेरिका-इजराइल के साथ जंग को ईरान ने एक मौके में बदल दिया है। अमेरिका ने खार्ग आइलैंड के पास सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन ग्लोबल ऑयल संकट के डर से तेल टर्मिनल को सीधे निशाना नहीं बनाया। इसी का फायदा उठाते हुए ईरान ने खार्ग टर्मिनल चालू रखा और 'घोस्ट फ्लीट' के जरिए चीन को सप्लाई जारी रखी है।

इंटरनेशनलएनर्जी एजेंसी और S&P ग्लोबल के मुताबिक, ईरान रोजाना 1.7 से 2 मिलियन (17 से 20 लाख) बैरल तेल एक्सपोर्ट कर रहा है। देश के करीब 90% तेल का एक्सपोर्ट अभी भी खार्ग टर्मिनल से ही हो रहा है।

साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले से एक्सपोर्ट प्रभावित हुआ, लेकिन गैस सप्लाई पूरी तरह बंद नहीं हुई। रिपोर्ट है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले विदेशी जहाजों से ईरान करीब 16.5 करोड़ रुपए प्रति जहाज 'वॉर टैक्स' भी वसूल रहा है।

खाड़ी देशों का प्रोडक्शन 70% तक गिरा

ईरान की होर्मुज स्ट्रेट पर पकड़ और लगातार हमलों के कारण सऊदी अरब, कतर, इराक, कुवैत और यूएई जैसे खाड़ी देशों की सप्लाई प्रभावित हुई है। सुरक्षित समुद्री रास्तों की कमी, बढ़ते हमले और लॉजिस्टिक्स दिक्कतों के चलते इन देशों का कुल उत्पादन 70% तक गिर गया है।

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध का सबसे सीधा असर कच्चे तेल पर पड़ा है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 3.26% की उछाल के साथ 112.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो जुलाई 2022 के बाद का सबसे उच्चतम स्तर है।

अगर तेल की कीमतें 100 डॉलर के ऊपर बनी रहती हैं, तो इससे भारत में महंगाई बढ़ेगी जो बाजार के लिए अच्छा नहीं है।

इस्तेमाल न होने वाला डेटा आधी रात को क्यों हो जाता है खत्म!

टेलीकॉम कंपनियों से राघव चड्ढा का सवाल

नई दिल्ली. राज्यसभा सांसद और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने टेलीकॉम कंपनियों की विवादास्पद नीति पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि मोबाइल रिचार्ज प्लान में डेली डेटा लिमिट जैसे 1.5 जीबी, 2 जीबी या 3 जीबी प्रतिदिन दिए जाते हैं, जो हर 24 घंटे में रीसेट हो जाते हैं। उपयोग न होने वाला डेटा आधी रात को समाप्त हो जाता है, भले ही उपभोक्ता ने उसके लिए पूरा पेमेंट कर दिया हो। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि अगर कोई व्यक्ति 2 जीबी का प्लान लेता है और सिर्फ 1.5 जीबी इस्तेमाल करता है, तो बाकी 0.5 जीबी बिना किसी रिफंड या रोलओवर के खत्म हो जाता है।

राघव चड्ढा ने इसे संयोग नहीं, बल्कि सोची-समझी नीति करार दिया, जिसमें उपभोक्ताओं को अनावश्यक रूप से डेटा इस्तेमाल करने के लिए मजबूर किया जाता है, नहीं तो वह बर्बाद हो जाता है। यह मुद्दा करोड़ों भारतीय उपभोक्ताओं से जुड़ा है, क्योंकि ज्यादातर लोग प्रीपेड प्लान पर निर्भर हैं। टेलीकॉम कंपनियां जैसे जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया दैनिक डेटा कोटा लागू करती हैं, जो मध्यरात्रि पर रीसेट होता है। इससे कई बार छात्र, कामकाजी लोग और ग्रामीण क्षेत्रों के उपयोगकर्ता प्रभावित होते हैं, जो कम डेटा इस्तेमाल करते हैं लेकिन पूरा भुगतान करते हैं।

गुजरात दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी

वडोदरा. राहुल गांधी सोमवार को वडोदरा में 'आदिवासी अधिकार संवाद' कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस सम्मेलन में आदिवासी क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए लगभग 1,000 आदिवासी डॉक्टर, इंजीनियर, गैर सरकारी संगठन (NGO) के सदस्य, कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी शामिल होंगे।

कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए लड़ाई तेज करना, सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व और मनरेगा व अन्य योजनाओं में कथित अनियमितताओं पर चर्चा करना है। कार्यक्रम में गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों से आदिवासी कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी शामिल होंगे।

आदिवासी संस्कृति, शिक्षा और वनाधिकार कानून (Forest Rights Act) जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक उत्थान से जुड़े कार्यकर्ता पैनल डिस्कशन में भाग लेंगे। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों और 2027 के गुजरात विधानसभा चुनाव के मद्देनजर यह दौरा कांग्रेस के लिए काफी अहम माना जा रहा है। सम्मेलन के बाद, राहुल गांधी पार्टी के राज्य नेतृत्व के साथ भी बैठक कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर सकते हैं।

इसी महीने हो सकता है निकाय चुनाव का ऐलान

गुजरात में नगर निगम और जिला पंचायत चुनावों की घोषणा होने वाली है। राज्य विधानसभा का सत्र 25 मार्च को खत्म हो जाएगा। इसके बाद 26 मार्च गुजरात राज्य चुनाव आयोग लोकल बॉडी चुनावों के लिए शेड्यूल का ऐलान कर सकता है।

इससे पहले राहुल गांधी पिछले साल 12 सितंबर को जूनागढ़ पहुंचे थे, तब उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों के कार्यक्रम को संबोधित किया था। निकाय चुनाव के मद्देनजर राहुल गांधी के दौरे के बाद कांग्रेस के कुछ अन्य नेताओं के बीच गुजरात आने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

श्रीलंका के शनाका PSL छोड़कर IPL खेलेंगे

- **सैम करन की जगह राजस्थान रॉयल्स से जुड़े**
- **पाकिस्तानी लीग में लाहौर ने खरीदा था**

श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) छोड़कर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) खेलेंगे। वे राजस्थान रॉयल्स (RR) में चोटिल सैम करन की जगह शामिल होंगे। PSL से जुड़े कागजी प्रक्रिया के चलते उनकी एंट्री फिलहाल औपचारिकताओं में अटकी हुई है, लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही वह गुवाहाटी में टीम के साथ जुड़ जाएंगे। पाकिस्तानी टी-20 लीग में लाहौर कलंदर्स ने शनाका को टीम में शामिल किया था।

मुजरबानी ने भी PSL छोड़ा

इससे पहले जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी भी PSL छोड़कर IPL में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने इस्लामाबाद यूनाइटेड के साथ अपना करार खत्म कर कोलकाता नाइट राइडर्स जॉइन किया, जहां वह मुस्तफिजुर रहमान के रिप्लेसमेंट बने। राजस्थान रॉयल्स अपना पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ गुवाहाटी में खेलेगी, जो शुरुआती चरण में टीम का होम ग्राउंड रहेगा।

टी-20 वर्ल्ड कप में श्रीलंका की कप्तानी की

शानाका हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप में श्रीलंका की कप्तानी कर रहे थे, जहां टीम सुपर-8 स्टेज से बाहर हो गई थी। उन्होंने टूर्नामेंट में 165 रन बनाए, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ 31 गेंद में नाबाद 76 रन की पारी शामिल रही। इसके अलावा उन्होंने 3 विकेट भी लिए।

IPL के मिनी ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे, जिसके बाद उन्हें PSL टीम लाहौर कलंदर्स ने साइन किया था। राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच कुमार संगकारा हैं, जबकि विक्रम राठौर टीम के असिस्टेंट कोच हैं।

फरीदाबाद में पाकिस्तानी जासूस अरेस्ट

- **पेट्रोल पंप पर चला रहा था पंचर की दुकान**
- **सैनिकों के फोटोज भेजता;**
- **हर PHOTO पर मिलते थे 6 हजार**

फरीदाबाद. हरियाणा के फरीदाबाद में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले गैंग के मेंबर नौशाद अली उर्फ लालू को गाजियाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नौशाद पेट्रोल पंप पर तीन महीने से पंचर बनाने की दुकान चला रहा था।

नौशाद रेलवे स्टेशन, सुरक्षा बलों के फोटो वीडियो बनाता था और उसे व्हाट्सएप्प ग्रुप्स के जरिए पाकिस्तान भेजने का काम करता था। इसके लिए एक फोटो पर उसे 4 से 6 हजार रुपए मिलते थे। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि अभी तक इसमें गैंग के सरगना मेरठ के सुहेल सहित 22 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने नौशाद के अलावा औरंगाबाद की मीरा को अरेस्ट किया है। एक आरोपी नाबालिग है। तीनों ने बताया कि सुहेल ने ही हमें ग्रुप में जोड़ा था।

पाकिस्तान में कैमरों का एक्सेस

गाजियाबाद पुलिस की जांच में पता चला कि ये लोग रेलवे स्टेशन और सुरक्षा बलों के ठिकानों की फोटो और वीडियो बनाकर कुछ लोगों को भेजते थे और इसके बदले उन्हें पैसे मिलते थे। इस गैंग का देशभर में करीब 50 सोलर कैमरे लगाने का प्लान था। दिल्ली-हरियाणा के रेलवे स्टेशनों पर कैमरे लगा भी दिए थे। पुलिस ने दोनों स्थानों के कैमरे रिकवर करते हुए जांच शुरू कर दी है। इन कैमरों को फोरेंसिक लैब भेजा जाएगा। दिल्ली और सोनीपत में लगाए गए कैमरों का एक्सेस पाकिस्तान में था। यानी इनके सीधी वीडियो पाकिस्तान में देखी जा रही थी।

रंधावा सुसाइड केस में पूर्व AAP मंत्री गिरफ्तार

- **शाह के CBI जांच के भरोसे के बाद एक्शन**

चंडीगढ़. पंजाब में वेयरहाउस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (DM) गगनदीप सिंह रंधावा के सुसाइड केस में आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि भुल्लर को फतेहगढ़ साहिब के मंडी गोबिंदगढ़ से गिरफ्तार किया गया है।

वहीं, रंधावा का अभी तक पोस्टमॉर्टम नहीं हुआ। उनकी लाश अमृतसर के अस्पताल में रखी गई है। आज DCP रविंदर पाल सिंह टीम के साथ परिजनों से DM का मोबाइल फोन लेने गए। उन्होंने कहा कि उसमें कुछ सबूत हो सकते हैं। हालांकि, परिजनों ने अधिकारी को बिना मोबाइल दिए लौटा दिया और कहा कि पहले आरोपी को पकड़ो।

अब इस मामले की जांच CBI को सौंपी जा सकती है। कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला ने लोकसभा में यह मुद्दा उठाया। जिसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वह CBI को जांच दे देंगे।

सुप्रीम कोर्ट जज बोले-ज्यूडिशियरी हद से ज्यादा सख्त हो रही

- **इसलिए लोग जेलों में सड़ रहे**
- **यह विकसित भारत का आदर्श नहीं हो सकता**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि ज्यूडिशियरी के कुछ हिस्से 'मोर लॉयल देन द किंग सिंड्रोम' से ग्रस्त हैं। यानी ये हिस्से राजा से भी ज्यादा वफादार होने की प्रवृत्ति अपना चुके हैं। इसके कारण ही लोग महीनों तक जेलों में सड़ते रहते हैं। जस्टिस भुइयां ने यह बात रविवार को बेंगलुरु में हुए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की पहली नेशनल समिट के दौरान कही।

'विकसित भारत में न्यायपालिका की भूमिका' विषय पर पैनल डिस्कशन के दौरान जस्टिस भुइयां ने कहा- कुछ मामलों में सिस्टम इतना ज्यादा सख्त हो रहा है कि जरूरत से ज्यादा केस दर्ज हो रहे हैं।

बार एंड बेंच की एक खबर के मुताबिक जस्टिस भुइयां ने सरकार और न्यायपालिका के संबंधों, PMLA, UAPA कानूनों के जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल पर भी अपनी बात रखी।

उन्होंने विरोध प्रदर्शन और सोशल मीडिया एक्टिविटी जैसे छोटे मुद्दों पर मनमाने ढंग से क्रिमिनल केस दर्ज किए जाने की निंदा की।

UAPA और PMLA एक्ट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल उनकी वैल्यू घटा रहा

अपनी स्पीच के दौरान जस्टिस भुइयां ने धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) जैसे कानूनों के तहत आरोपियों को लंबे समय तक हिरासत में रखे जाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा- PMLA प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, ऐसे मामलों से निपटने का एक बड़ा साधन है, लेकिन कानून का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल इसके असर को कमजोर करता है। वहीं, UAPA को लेकर कहा कि जब दोषसिद्धि की दर लगभग 5% से भी कम है, तो आरोपी को सालों तक जेल में क्यों रखा जाए। जस्टिस भुइयां ने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े कुछ विवादों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट को SIT बनानी पड़ी है, जिससे सिर्फ समय की बर्बादी हुई है।

संक्षेप...

मॉर्निंग वॉक के दौरान चेन स्नैचिंग, आरोपी गिरफ्तार

नवी मुंबई. मॉर्निंग वॉक पर गई एक महिला की सोने की चेन जबरदस्ती छीनने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. यह घटना 14 मार्च को सुबह करीब 7.50 बजे घणसोली इलाके में हुई. शिकायत करने वाली अनीता राजकुमार गुप्ता (54) जब अपनी सोसायटी में अपनी स्कूटी पार्क कर रही थीं, तभी पीछे से एक अनजान आदमी आया और उनके गले से करीब 25 ग्राम वजन की सोने की चेन, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 25 हज़ार रुपये थी, छीन ली. इस मामले में रबाले पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था. घटना के बाद, पुलिस इंस्पेक्टर (क्राइम) संजय गवली और उनकी टीम ने सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर बालकृष्ण सावंत के मार्गदर्शन में घटनास्थल और इलाके के सीसीटीवी फुटेज को चेक किया.

गर्मी कहर बरपा रही, प्रदूषण की दिक्कतें

- ठाणे क्लाइमेट क्राइसिस के कगार पर
- 41C टेम्परेचर, ओजोन 188 तक
- 'अर्बन हीट आइलैंड' से दोहरा खतरा

ठाणे. विश्व हवा दिन के दौरान ठाणे शहर में गर्मी का पारा और हवा में सल्फर डाइऑक्साइड, ओजोन और खतरनाक धूल खतरे के लेवल को पार कर गई है। मार्च की शुरुआत में ही टेम्परेचर 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने से ठाणेकर तप रहे हैं, और हवा में इन ज़हरीले एलिमेंट्स के कारण अब पब्लिक हेल्थ का मुद्दा बहुत गंभीर हो गया है।मनपा से मिले ऑफिशियल डेटा के मुताबिक, इस

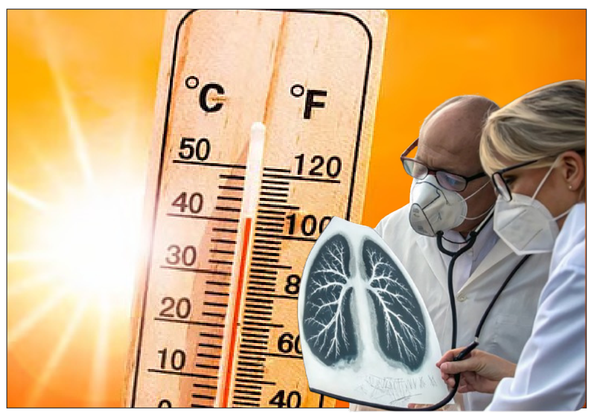

महीने के पहले 20 दिनों में से 10 दिनों तक हवा बहुत प्रदूषित दर्ज की गई है। ओज़ोन लेवल 188 तक पहुँच गया है, और पार्टिकुलेट मैटर (PM10) की मात्रा लगभग 130 रिकॉर्ड की गई है। यह साफ़ हो गया है कि एटमॉस्फियर में हो रहे इन बदलावों की वजह से शहर की एयर क्वालिटी खराब हो रही है।एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बढ़ती गर्मी और पॉल्यूशन के बीच गहरा रिश्ता है। चिलचिलाती धूप की वजह से, ज़मीन के पास गाड़ियों के एग्जॉस्ट, इंडस्ट्रियल एमिशन और कंस्ट्रक्शन डस्ट के केमिकल रिएक्शन से ओज़ोन जैसी नुकसानदायक गैसों का प्रोडक्शन बढ़ जाता है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि यह पॉल्यूशन एक 'साइलेंट किलर' बन रहा है, जिसकी वजह से अस्थमा, सांस की बीमारियाँ और दिल की बीमारी का खतरा बढ़ गया है।ठाणे-मुंबई इलाके में तेज़ी से हो रही कंक्रीटिंग और घटते ग्रीन एरिया की वजह से शहर में 'अर्बन हीट आइलैंड' का असर बढ़ रहा है। चूँकि सीमेंट के जंगल दिन में गर्मी सोख लेते हैं, इसलिए रात में भी नेचुरल कूलिंग नहीं मिल पाती। गाड़ियों की बढ़ती संख्या और अलग-अलग जगहों पर कंस्ट्रक्शन का काम इस स्थिति को और डरावना बना रहा है।पर्यावरणविद डॉ प्रशांत सिनकर ने कहा है कि यह स्थिति बड़े क्लाइमेट चेंज संकट का हिस्सा है। इससे निपटने के लिए, अब एडमिनिस्ट्रेशन के लिए कंस्ट्रक्शन की धूल को रोकना, पब्लिक ट्रांसपोर्ट को चालू करना और बड़े पैमाने पर पेड़ लगाना ज़रूरी हो गया है। वर्ल्ड क्लाइमेट डे सिर्फ़ एक फ़ॉर्मल इवेंट नहीं होना चाहिए, बल्कि पर्यावरण बचाने के लिए ठोस कार्रवाई की अपील होनी चाहिए।41C का टेम्परेचर और 188 तक पहुँचता ओज़ोन लेवल ठाणेकरों की सेहत के लिए 'रेड अलर्ट' है।

सीमेंट के जंगलों की वजह से शहर 'अर्बन हीट आइलैंड' में बदल गया है, और रात में भी नेचुरल कूलिंग नहीं मिल पाती। अब एडमिनिस्ट्रेशन के लिए यह ज़रूरी है कि वह सिर्फ़ कागज़ के घोड़े नचाने के बजाय, प्रदूषण को कंट्रोल करने और ग्रीन एरिया बढ़ाने के लिए युद्ध स्तर पर ठोस कार्रवाई करे; नहीं तो ठाणे रहने लायक नहीं रहेगा।

एकवीरा देवी की यात्रा के मौके पर

मुंबई-पुणे हाईवे पर 3 दिन का टोल माफ

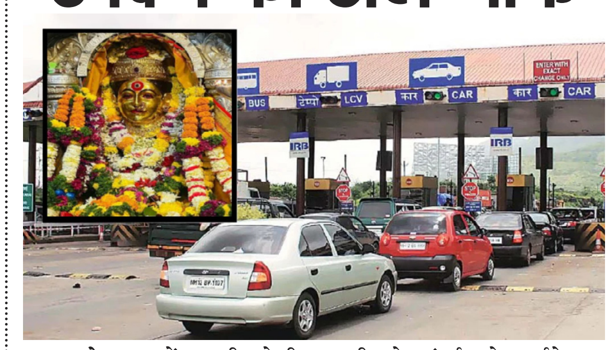

ठाणे. राज्य में आगरी-कोली समाज की कुलदेवी, लोनावाला में एकवीरा देवी की यात्रा तीन दिन, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को होगी। इस यात्रा के मौके पर मुंबई-पुणे हाईवे पर तीन दिन के लिए टोल माफ कर दिया गया है। भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के MP सुरेश म्हात्रे (बाल्या मामा) ने बताया कि इस टोल माफी के लिए एक लेटर अनिवार्य है।

लोनावाला में, आगरी-कोली समुदाय समेत अलग-अलग जाति और धर्म के लोग एकवीरा देवी मंदिर में दर्शन के लिए जाते हैं। इस साल देवी की यात्रा मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को होगी। यात्रा के मौके पर, ठाणे, मुंबई-मुंबई सबअर्बन, रायगढ़ जिले के आगरी-कोली समुदाय के लोग गाड़ी से मुंबई-पुणे हाईवे पर लोनावाला में एकवीरा मंदिर इलाके में जाते हैं। टोल की वजह से कई लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है। अक्सर टोल बूथ पर झगड़े होते हैं।

साथ ही, टोल वसूलने में देरी होती है। इस वजह से, मुंबई-पुणे हाईवे पर टोल माफ करने की मांग की जा रही थी। हाईवे और टोल एडमिनिस्ट्रेशन ने टोल माफ करने की मांग सुन ली है और टोल माफी तीन दिनों तक जारी रहेगी, ऐसा MP सुरेश म्हात्रे ने बताया।

इस टोल माफी के लिए, MP सुरेश म्हात्रे का टोल माफी लेटर ज़रूरी होगा और उन्होंने यह भी बताया कि अगर यह लेटर टोल गेट पर दिखाया जाता है, तो एकवीरा भक्तों का टोल माफ कर दिया जाएगा।

फेना गांव में आनंद मेला से बच्चों में फैली खुशी

भिवंडी. भिवंडी मनपा उद्यान फेना गांव में श्री साईं सेवा संस्था संयोजिका डा स्वाति सिंह के कुशल नेतृत्व में स्पेशल कम्युनिटी के बच्चों का आनंद मेला कामयाबी से सम्पन्न हुआ.अपनी ज़िंदगी में पहली बार बच्चों ने स्टॉल लगाकर अलग-अलग गेम्स ऑर्गनाइज़ किए और दूसरे स्कूल के बच्चों का दिल जीत लिया. सभी बच्चे श्री साईं सेवा संस्था के कुशल मार्गदर्शन में अपनी स्कूल शिक्षा ग्रहण कर जीवन को सार्थक बनाने में जुटे हैं. संस्था बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अलग-अलग शैक्षणिक, सामाजिक गतिविधियां भी कराती है.

आनंद मेले में अतिथि के रूप में आए सभी मेहमानों का शुक्रिया अदा करते हुए, डॉ. स्वाति सिंह ने कहा, आज आनंद मेले के मौके पर बच्चों के चेहरों पर जो खुशी और मुस्कान है, वह ज़िंदगी भर ऐसे ही बनी रहे. प्रोग्राम की खास बात यह थी कि भिवंडी मनपा सहायक आयुक्त नितिन पाटिल और उद्यान अधिकारी नीलेश संखे ने आनंद मेला में भेंट देकर बच्चों का उत्साह वर्धन किया जो बच्चों के जीवन का यादगार बन गई. उक्त अवसर पर उत्तर भारतीय सेवा संस्था संस्थापक अध्यक्ष कृष्णगोपाल सिंह ठाकुर,प्रेम तिवारी, द्वारकाधीश असावा सहित जेंट्स सखी ग्रुप प्रेसिडेंट मिस्टर और मिसेज कुर्मी आदि मौजूद थे. भिवंडी सोशल फाउंडेशन के स्टूडेंट्स ने प्रोग्राम को अच्छे से प्लान करने में मदद की. स्टाल लगाने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कृत किया गया.

शहीद दिवस पर ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय में किया गया अभिवादन

ठाणे. शहीद दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने आज जिलाधिकारी कार्यालय में शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की तस्वीर पर अभिवादन किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटिल, निवासी उप जिलाधिकारी डॉ. संदीप माने,उप जिलाधिकारी सरजेराव मस्के-पाटिल, शशिकांत गायकवाड़, वरुणकुमार सहारे, सब-चुनाव अधिकारी वैशाली माने, तहसीलदार सचिन चौधरी, रेवन लेम्बे, मीनल दलवी, एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट पुरुषोत्तम थोरात, अकाउंट्स ऑफिसर अश्लेषा जाधव, नेशनल इन्फॉर्मेशन एंड साइंस सेंटर के डायरेक्टर घनश्याम मेहता सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

अखिल पद्मशाली समाज की एकजुटता से ही होगा विकास -कैलाश गोरंट्याल

पद्मशाली समाज के जनप्रतिनिधियों और विशिष्ट व्यक्तियों का भव्य सम्मान समारोह

भिवंडी. अखिल पद्मशाली समाज भिवंडी एवं महाराष्ट्र राज्य पद्मशाली संघ के संयुक्त तत्वावधान में पद्मशाली समाज के जनप्रतिनिधियों तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित विशिष्ट व्यक्तियों का भव्य सत्कार समारोह पद्मशाली समाज सभागृह पद्मानगर में उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ. समारोह में महाराष्ट्र अखिल भारतीय पद्मशाली संघ के गौर अध्यक्ष श्रीधर सुकनवार, प्रह्लाद सुरकुटवार, जालना पूर्व विधायक कैलास गोरंट्याल, महाराष्ट्र राज्य पद्मशाली अध्यक्ष कमुटम भूपती, कार्याध्यक्ष कोंका मल्लेशम, कोषाध्यक्ष अवधूत बलराम एवं मुख्य सचिव गाजेंगी राजू,वरिष्ठ समाजसेवी कृष्णा गाजेंगी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे.राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पद्मशाली समाज के लोग कार्यक्रम में शामिल हुए. गौरतलब हो कि,भिवंडी, सोलापुर, ग्रेटर मुंबई, जालना, अहमदनगर, पुणे, नांदेड और संगमनेर सहित विभिन्न क्षेत्रों से करीब 50 से अधिक जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया.साथ ही राज्य और केंद्र स्तर पर पुरस्कार प्राप्त समाज के

प्रतिभाशाली व्यक्तियों का भी सम्मान किया गया.उक्त अवसर पर गणमान्य हस्तियों द्वारा समाज की उन्नति की खातिर समाज में एकता और विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया गया.अखिल पद्मशाली समाज भिवंडी अध्यक्ष पोट्टाबत्तीनी ने बताया कि महाराष्ट्र में पद्मशाली समाज की जनसंख्या लगभग एक करोड़ है. समाज के युवा विभिन्न महानगरपालिकाओं में चुनकर आ रहे हैं, जो समाज के लिए गर्व की बात है.उन्होंने कहा कि सोलापुर में 18-19 नगरसेवक और पूरे राज्य में लगभग 50 जनप्रतिनिधियों का निर्वाचित होना समाज की प्रगति को दशार्ता है. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अनुभवों का आदान-प्रदान, मार्गदर्शन और समाज की एकता को मजबूत करना था. गणमान्य अतिथियों ने कहा कि, पद्मशाली समाज को एसबीसी वर्ग में शामिल होने के बावजूद शासकीय योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है जिस पर सरकार को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए. समाज की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होने की आवश्यकता बताई गई. पूर्व विधायक कैलास गोरंट्याल ने कहा कि नगरसेवकों और पुरस्कार विजेताओं का सम्मान करना गर्व की बात है. उन्होंने बताया कि पहले समाज पावरलूम उद्योग सहित छोटे रोजगार तक सीमित था. अब युवा आईटी और शिक्षा क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं जिससे निश्चित ही समाज का सर्वांगीण विकास होना तय है.

कमर्शियल गैस सिलेंडर कोटा 50 परसेंट बढ़ा

- होटल और इंडस्ट्रीज़ के लिए बड़ी राहत

ठाणे. केंद्र सरकार ने देश में कमर्शियल LPG गैस की सप्लाई को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है, और राज्यों को दिया जाने वाला कुल कोटा अब 50 परसेंट बढ़ा दिया गया है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय के सेक्रेटरी डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों के चीफ सेक्रेटरी को लेटर लिखकर इसकी जानकारी दी है। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने बताया है कि यह फैसला राज्य सरकार के निर्देशानुसार लागू किया जाएगा।इस नई पॉलिसी के अनुसार, राज्यों को पहले मिलने वाले 20 परसेंट कोटा और बाद में बदलावों के आधार पर बढ़ाए गए 10 परसेंट कोटा के अलावा अब 20 परसेंट और कोटा को मंजूरी दी गई है। इससे कमर्शियल LPG की कुल सप्लाई अब प्री-क्राइसिस लेवल के 50 परसेंट तक पहुंच गई है। इस बढ़े हुए कोटे से सबसे

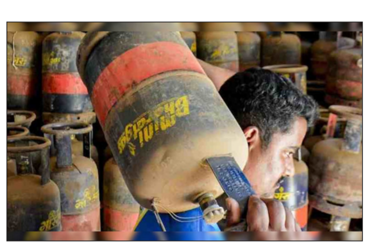

ज़्यादा फायदा रेस्टोरेंट, ढाबे, होटल, इंडस्ट्रियल कैंटीन, फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री, डेयरियां और सरकारी सब्सिडी वाले फूड सेंटर को होगा। माइग्रेंट वर्कर्स को मिलने वाले 5 kg FTL सिलेंडर की सप्लाई को भी प्रायोरिटी दी गई है।सरकार ने इस सुविधा का फायदा उठाने के लिए कुछ शर्तें भी रखी हैं। सभी कमर्शियल और इंडस्ट्रियल LPG कंज्यूमर्स के लिए अपनी-अपनी ऑयल कंपनियों (OMCs) के साथ ऑफिशियली रजिस्टर करना ज़रूरी कर दिया गया है। ये कंपनियां कंज्यूमर्स और उनके एरिया के सालाना कंजम्पशन का पूरा रिकॉर्ड रखेंगी, ताकि गैस का गलत इस्तेमाल रोका जा सके। इसके साथ ही, जिन एरिया में पाइप्ड गैस (PNG) की सुविधा है, वहां कंज्यूमर्स को PNG के लिए अप्लाई करना होगा और इसे इस्तेमाल करने के लिए अपनी तैयारी दिखानी होगी।सरकार ने भरोसा जताया है कि इस फैसले से कमर्शियल सेक्टर में फ्यूल की कमी को कम करने में मदद मिलेगी और इंडस्ट्रीज़ को बड़ी राहत मिलेगी।

8 महिलाओं को मुफ्त में रिक्शा वितरित

- 24 लाख रुपए ट्रस्ट ने किया खर्च

नवी मुंबई. सीबीडी में जरूरतमंद महिलाओं को नवी मुंबई की मेयर सुजाता पाटिल के हाथों रिक्शा बांटे गए. यह पहल 'श्रीराम राधाकृष्णन मेमोरियल ट्रस्ट' के माध्यम से लागू की गई. इस अवसर पर बोलते हुए सुजाता पाटिल ने कहा कि यह पहल रिक्शा पाने वाली महिलाओं के जीवन में खुशी के पल लाएगी और उनके परिवारों को आर्थिक सहारा देगी. उन्होंने ट्रस्ट के इस प्रयास की दिल सराहना की.

ट्रस्ट जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न पहलुओं को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है, जिसके तहत उन्हें अलग-अलग तरह का प्रशिक्षण दिया जाता है. इन प्रयासों के माध्यम से अकेली माताओं और आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें सशक्त बनाने की कोशिश की जा रही है. इसी उद्देश्य के अनुरूप ट्रस्ट ने सीबीडी में 8 जरूरतमंद महिलाओं को मुफ्त में रिक्शा चलाने का प्रशिक्षण दिया और उनके लिए रिक्शा परमिट जारी करवाने में मदद की.

ट्रस्ट के अध्यक्ष राधाकृष्णन ने बताया चूंकि उक्त महिलाएं खुद रिक्शा खरीदने में असमर्थ थीं, इसलिए ट्रस्ट ने उन्हें 24 लाख रुपए की लागत से रिक्शा उपलब्ध कराने का फैसला किया.इसी क्रम में सीबीडी में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें रिक्शे का विवरण किया गया.

आरके स्टूडियो रिन्यूअल की खबरें गलत

- करीना बोलीं- फिलहाल कोई योजना नहीं
- रणबीर के स्टूडियो दोबारा शुरू करने की खबरें निकलीं अफवाह

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने हाल ही में चल रही खबरों को खारिज करते हुए स्पष्ट कहा है कि लीजेंडरी आरके स्टूडियो के फिर से शुरू होने का कोई प्लान अभी तक तय नहीं हुआ है। अभिनेत्री ने बताया कि यह चर्चा केवल अफवाह है और फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक करीना ने कहा कि उनके परिवार में कुछ समय पहले यह बात चर्चा में आई थी, लेकिन सभी ने इसे तुरंत यह मान लिया कि यह नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोग सच में आरके स्टूडियो को फिर से देखने की चाहत रखते हैं, लेकिन फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव फाइनल नहीं हुआ है।

करीना ने अपने बयान में यह भी कहा कि इस विरासत को आगे ले जाने की जिम्मेदारी अब नई पीढ़ी के हाथ में है। उन्होंने विशेष रूप से अपने कजिन और अभिनेता रणबीर कपूर और बहन करिश्मा कपूर का नाम लेते हुए सुझाव दिया कि शायद वे इस प्रतिष्ठित ब्रांड को आगे ले जाने के बारे में सोच सकते हैं।

करीना ने कहा कि आरके स्टूडियो उनके दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह उनके दादा राज कपूर द्वारा 1948 में स्थापित किया गया था और भारतीय सिनेमा की एक प्रतिष्ठित धरोहर रहा है। लेकिन उन्होंने दलील दी कि आज के समय में इसे फिर से शुरू करना आसान काम नहीं है।

कल्याण पूर्व में जलसंकट से परेशान आम जनता

- पूर्व उपमहापौर ने दी आंदोलन की चेतावनी
- जनता की समस्या पर जनप्रतिनिधियों की अनदेखी ?

कल्याण. कल्याण पूर्व के खडगोलवली क्षेत्र में पिछले कई दिनों से पानी की कमी के कारण नागरिक परेशान हैं। साईबाबा कॉलोनी, सुरेश केणे चाल, मातोश्री नगर आदि इलाकों में बड़े पैमाने पर पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है। इस संबंध में कई बार मोर्चे निकाले गए, अधिकारियों को ज्ञापन देकर पानी की समस्या हल करने की

अपील की गई, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

संबंधित विभाग के पास बार-बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारी लोगों की समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसी के चलते महानगरपालिका के पूर्व उपमहापौर विक्रम तरे ने खड़ेगोलवली परिसर की महिला नागरिकों के साथ पानी ड प्रभाग स्थित जलापूर्ति विभाग के उप अभियंता से मुलाकात की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो सैकड़ों नागरिकों को साथ लेकर महानगरपालिका के सामने 'हंडा मोर्चा' निकाला जाएगा।

अधिकारी से चर्चा के उपरांत विक्रम तरे ने कहा कि कल्याण पूर्व में पानी की समस्या गंभीर बनी हुई है, जिसपर विधायक और सांसद को लक्ष्य केंद्रित करने की आवश्यकता है। बतादें कि बीते अनेक वर्षों से यहां सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक और सांसद है। बावजूद इसके विकासकार्यों के ऐतबार से कल्याण पूर्व पिछड़ा हुआ है। विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाले जनप्रतिनिधियों को क्या जलसंकट की भीषण समस्या नज़र नहीं आती ? यह सवाल आम लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

केडीएमसी मुख्यालय में कांग्रेस गट नेता कार्यालय का उद्घाटन

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली मनपा मुख्यालय में सोमवार को कांग्रेस गट नेता कांचन कुलकर्णी के कार्यालय का उद्घाटन किया गया ।

कांग्रेस गट नेता कांचन कुलकर्णी के कार्यालय का उद्घाटन उनके प्रभाग की वरिष्ठ महिला के हाथों किया गया । इस अवसर पर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव नवीन सिंह , सचिव राजेश (मुन्ना) तिवारी , लालचंद्र तिवारी सहित बडी संख्या में कांग्रेस के जिला पदाधिकारी उपस्थित थे ।

CHANGE OF NAME

I have changed my name from
Shobha Dhanomal Rohra to
Shobha Jawahar Verliani
post marriage as mentioned in the Aadhar card.
So all the public now call me
Shobha Jawahar Verliani

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099